

मसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—- ज़रुह 3---- उपल ०इ (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (if)

प्राचिकार ते प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 208] नई विल्ली, मंगलवार, ग्रप्नेल 18, 1972/चैत्र 29, 1894

No. 208] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 18, 1972/CHAITRA 29, 1894

इम भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या भी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

EXPORT TRADE CONTROL

ORDERS

New Delhi, the 18th April 1972

S.O. 297(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Exports (Control) Order, 1968, namely:—

- This Order may be called the Exports (Control) Fifth Amendment Order, 1972.
- 2. The entry No. 46(iii) of Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control)
 Order, 1968 should be read as under:—
- "46(iii). Raw Silk, Pure Silk Yarn and Silk Waste"
- In Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, after the entry 46 (iii) (a) the following shall be added:—
- "46(iii) (b) Pure Silk Yarn".
- 4. The existing entry No. (iii)(b) in Part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 shall be renumbered as 46(iii)(c).

[No. E(C)O 1968/AM(75.]

विवेश व्यापार मंत्रालय

ग्रादेश

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 18 श्रप्रेल, 1972

एस० भ्रो० 297(भ).--आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रवक्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 में श्रीर संशोधन करने के लिये एतव्हारा निम्नलिखित श्रादेश का निर्माण करती है, अर्थात्:---

- 1. इस भादेश को निर्यात (नियंत्रण) पाचवां संशोधन आदेश, 1972 की संज्ञा दी जाये।
- 2. निर्यात (नियंत्रण) भ्रादेश, 1968 के लिये भ्रनुसूधी 1 के भाग 'बी' की प्रविष्टि संख्या: 46(iji) को निम्नप्रकार से पढ़ा जाना चाहिये:--
 - "46 (iii) कञ्चा रेशम, विशुद्ध रेशमी रेशे तथा रेशम वेस्ट।"
- 3. निर्यात (नियंत्रण) भादेश, 1968 के लिये भ्रनुसूची 1 के भाग 'बी' में प्रविष्टि $46(iii)(\mathbf{v})$ के बाद निम्नलिखित को ओड़ा जाएमा :--
 " $46(iii)(\mathbf{a})$ विश्व रेशमीं रेशे"।
- 4. निर्यात (नियंत्रण) भादेश, 1968 की भ्रनुसूची 1 भाग 'बी' में वर्तमान प्रविष्टि 46 (iii) (बी) को 48(iii) (सी) के रूप में पूनर्संख्यांकित किया जाये।

[संख्या ई(सी)मी, 1968/एएम(75)]

- S.O. 298(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Exports (Control) Order, 1968, namely:—
 - This Order may be called the Exports (Control) Sixth Amendment Order, 1972
 - In part 'B' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, item No. 23(ii) (as given in paragraph 2(ii) of ETC Amendment Order No. E(C)O, 1968/AM(74) dated 30th March, 1972) should be amended to read as:—
 - (ii) Hand woven woollen carpets of persian and mobarik designs upto 32,000 knots sq. metre.
 - 3. In Part 'A' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, item No. 32(ii) (as given in paragraph 3(ii) of ETC Amendment Order No. E(C)O, 1968/AM(74) dated 30th March, 1972) should be amended to read as:—
 - (ii) Hand woven woollen carpets of persian and mobarik designs upto 32,000 knots per sq. metre to be exported on consignment basis or at a floor price of less than Rs. 60.00 per sq. metre f.o.b.

[No. E (C) O, 1968/AM(76).]

M. M. SEN.

Chief Controller of Imports and Exports.

- ् एस० ग्रां० 298(ग्र).—ग्रायात तथा निर्यात (नियंत्रण) ग्रिप्तिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त ग्रिप्तिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार निर्यात (नियंत्रण) ग्रादेश, 1968 में ग्रौर संशोधन करने के लिये एतद् द्वारा निम्नलिखित ग्रादेश का निर्माण करती है, ग्रायीत्:—
 - 1. इस आदेश को निर्यात (नियंत्रण) छटा संशोधन आदेश, 1972 की संज्ञा दी जाये।
 - 2. निर्यात (नियंत्रण) भ्रादेश, 1968 के लिये भ्रनुसूची 1 के भाग 'बी' में मद संख्या 23 (ii) (ईटीसी संशोधन श्रादेश संख्या, ई(सी) श्रो, 1968/एएम(74), दिनांक 30-3-1972 की कंडिका 2(ii) में दिये गये के भ्रनुसार) को निम्न प्रकार से पढ़ने के लिये संशोधित किया जाना चाहिये:—-
 - (2) फारस तथा मुबारिक की डिजाइन के 32,000 गांठ वर्ग मीटर के हाथ से बुने हुए उन्नी कालीन।
 - 3. निर्पात (नियंत्रण) श्रादेश, 1968 के लिये श्रनुसूची 1 के भाग 'बी' में मद संख्या 32(ii) (ईटीसी संशोधन श्रादेश संख्या, ई(सी)श्रो, 1968/एएम(74), विनांक 30-3-1972 की कंडिका 3(ii) में दिये गये के श्रनुसार) को निम्स प्रकार से पढ़ने के लिये संशोधित किया जाना चाहिये :--
 - (2) फारस श्रौर मुझारिक जिजाइन के 32,000 गांठ प्रति वर्ग मीटर के हाथ के बुने हुये ऊनी कालीनों को परेषण के श्राधार पर या 60 रुपये प्रति वर्ग मीटर जहाज पर्यन्त नि:शुल्क से कम की न्यूनतम कीमत पर निष्पादित किया जाना है।

[संख्याः ई(सी)ग्रो, 1968ए/एम(76)]

एम० एम० सेन,

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात ।